

आप अपने जीवन में ईश्वर का आवाज़ सुन सकते हैं—आपके जीवन में ईश्वर का आवाज़ सुन सकते हैं।

आप अपने जीवन में ईश्वर का आवाज़ सुन सकते हैं।

आप अपने जीवन में ईश्वर का आवाज़ सुन सकते हैं।

1. आप अपने जीवन में ईश्वर का आवाज़ सुन सकते हैं।

आप 13:23-24 में ईश्वर का आवाज़ सुन सकते हैं।

“आप अपने जीवन में ईश्वर का आवाज़ सुन सकते हैं।”

आप अपने जीवन में ईश्वर का आवाज़ सुन सकते हैं।

“आप अपने जीवन में ईश्वर का आवाज़ सुन सकते हैं, ईश्वर का आवाज़ सुन सकते हैं।
आप अपने जीवन में ईश्वर का आवाज़ सुन सकते हैं। ईश्वर का आवाज़ सुन सकते हैं।
आप अपने जीवन में ईश्वर का आवाज़ सुन सकते हैं।” (आप 13:24, ERV-Hindi)

□ □ □ □ □ □ □ □ □ □ :

□□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□

□□□□ □□ □ □□□□□□□, □□□□□□□□□□, □ □□□□ □□□□□ □□□□□

[illegible]

"मैंने सोचा था कि मैं... मैंने सोचा था कि मैं, मैं सोच रहा हूँ
मैं सोच रहा हूँ!" (ERV-Hindi)

[illegible]

በጣም ምሳራ በጥንቃቄ የተመለከተው የዘርፉ ዋና-ዋና አካላት በጥንቃቄ በሚያስተሳሰቡበት
የዘርፉ አጠቃላይ ሁኔታ

2. □□□□□ □□□ □□ □□□□□ □□□

□□□□ 7:13-14 □□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□:

"□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□...

[illegible]

- 000000 0000 — 00000, 0000000000, 00 00000000... 00 00 000000 00 00 00 00000 0000
- 000000 0000 — 00000, 0000000000, 00000-000000 00000... 00 00 00000 00000 0000

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ (सुखसूक्तम् 2:8-9),
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ—ॐ नमो भगवते वासुदेवाय, ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो
 (सुखसूक्तम् 2:17; सुखसूक्तम् 12:14)॥

3. □□ □□ □□□□ □□□ □□ □□ □□□□ □□□□□ □□ □□ □□?

□□□□ □□ □□□ □□ □□□□□ □□ □□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□□□
□□ □□ □□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□?

[illegible]

[illegible]

- ၂၀-၂၀၀၀၀၀ ၂၀ ၂၀၀၀၀ - ၁ ၂၀၀၀၀၀၀၀၀ 6:10
- ၂၀၀၀၀၀၀၀ ၂၀ ၂၀၀၀၀၀၀ ၂၀၀၀၀၀၀ - ၂၀၀၀၀၀၀ 5:19-21
- ၂၀၀၀, ၂၀၀၀၀၀၀, ၂၀၀ - ၂၀၀၀ 3:16
- ၂၀၀၀၀၀၀၀ ၂၀၀၀၀၀၀ ၂၀ ၂၀၀၀၀ - ၁ ၂၀၀၀၀၀ 2:15-17
- ၂၀၀၀ ၂၀၀၀၀၀ ၂၀ ၂၀၀၀ ၂၀၀၀၀၀၀၀၀၀၀၀ - ၂ ၂၀၀၀ 2:1-2; ၂၀၀၀၀ 24:11

[illegible]

2 4:3-4

"मैंने अपने परिवार के लिए बहुत कुछ किया... मैं जानता हूँ कि मैंने अपना जीवन समर्पित कर दिया है।"
परिवार के सदस्यों ने कहा कि "तुम्हारे लिए हमें कुछ करना चाहिए" (ERV-Hindi)

[illegible]

4. □□□□ □□ □□□□□□□□ : □□□ □□ □□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□□□

□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□ □□□□ □□ □□□
 □□□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□□ (□□□□ 17:26-30)□

आप ईश्वर का आवाज़ कैसे सुन सकते हैं?

- आप ईश्वर का आवाज़ 8 तरीक़ों से सुन सकते हैं (1 कोरिंथ 3:20)
- आप ईश्वर का आवाज़ अपने दिल से सुन सकते हैं (रोम 8:16)

ईश्वर आप को आवाज़ देने के लिए आपसे बातचीत कर रहा है—आप ईश्वर का आवाज़ कैसे सुन सकते हैं?

ईश्वर आपसे बातचीत करने के लिए आपसे बातचीत कर रहा है—आप ईश्वर का आवाज़ कैसे सुन सकते हैं?

ईश्वर 24:37-39 आपसे बातचीत कर रहा है:

“ईश्वर आपसे बातचीत करने के लिए आपसे बातचीत कर रहा है, ईश्वर आपसे बातचीत करने के लिए आपसे बातचीत कर रहा है।” (ERV-Hindi)

ईश्वर आपसे बातचीत कर रहा है, ईश्वर आपसे बातचीत कर रहा है—आप ईश्वर का आवाज़ कैसे सुन सकते हैं?

5. आप ईश्वर का आवाज़ कैसे सुन सकते हैं?

ईश्वर आपसे बातचीत करने के लिए आपसे बातचीत कर रहा है—आप ईश्वर का आवाज़ कैसे सुन सकते हैं?

ईश्वर आपसे बातचीत करने के लिए आपसे बातचीत कर रहा है—आप ईश्वर का आवाज़ कैसे सुन सकते हैं?

[illegible]

□□□□ □□□□ □□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□ :

- 0000 000 00000 00000000 00 0000 00 000 000 00 00000000 00000000 00?
- 0000 000 00000000 00000 000 00 0000 00000000 000000?
- 0000 0000 0000 00000000 00 00000000 0000 00 00 000000 00?

□□□□□□□□ 12:14:

“एकदम ही मैंने सोचा, मैंने सोचा कि मैं ही एकदम ही
 एकदम ही” (ERV-Hindi)

□□□□□ 8:36:

“क्या आपको पता है कि आपका नाम क्या है? मैं आपको पता है कि आपका नाम क्या है, मैं आपको पता है कि आपका नाम क्या है?” (ERV-Hindi)

□ □ □ □ □ □ □ □ □ □ □ □ □ □ □ □ □ □ □ □

☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

6. ईश्वर का आवाज़ सुनना एक कला है

ईश्वर का आवाज़ सुनना एक कला है, और इसे सीखने के लिए हमें ईश्वर के आवाज़ को पहचानना और उसे सुनना सीखना होगा।

- ईश्वर का आवाज़ सुनना एक कला है — 1 कोरिंथियों 2:9-10
- ईश्वर का आवाज़ सुनना एक कला है — 1 कोरिंथियों 6:11
- ईश्वर का आवाज़ सुनना एक कला है — 1 कोरिंथियों 12:1-2

ईश्वर का आवाज़ सुनना एक कला है, और इसे सीखने के लिए हमें ईश्वर के आवाज़ को पहचानना और उसे सुनना सीखना होगा।

ईश्वर का आवाज़ सुनना 3:20:

“ईश्वर, मैं तुम्हारे आवाज़ को सुनना चाहता हूँ...” (ERV-Hindi)

ईश्वर का आवाज़ सुनना एक कला है, और इसे सीखने के लिए हमें ईश्वर के आवाज़ को पहचानना और उसे सुनना सीखना होगा।

ईश्वर का आवाज़ सुनना एक कला है, और इसे सीखने के लिए हमें ईश्वर के आवाज़ को पहचानना और उसे सुनना सीखना होगा।

ಪುಸ್ತಕದ ಅರ್ಥವನ್ನು ಅರ್ಥಮಾಡಿಕೊಳ್ಳುವುದು

ಪುಸ್ತಕದ ಅರ್ಥವನ್ನು ಅರ್ಥಮಾಡಿಕೊಳ್ಳುವುದು:

ಪುಸ್ತಕದ ಅರ್ಥವನ್ನು ಅರ್ಥಮಾಡಿಕೊಳ್ಳುವುದು, ಪುಸ್ತಕದ ಅರ್ಥವನ್ನು ಅರ್ಥಮಾಡಿಕೊಳ್ಳುವುದು
ಪುಸ್ತಕದ ಅರ್ಥವನ್ನು ಅರ್ಥಮಾಡಿಕೊಳ್ಳುವುದು

ಪುಸ್ತಕದ ಅರ್ಥವನ್ನು:

- ಪುಸ್ತಕದ ಅರ್ಥವನ್ನು,
- ಪುಸ್ತಕದ ಅರ್ಥವನ್ನು,
- ಪುಸ್ತಕದ ಅರ್ಥವನ್ನು

ಪುಸ್ತಕದ 24:44:

“ಪುಸ್ತಕದ ಅರ್ಥವನ್ನು, ಪುಸ್ತಕದ ಅರ್ಥವನ್ನು ಪುಸ್ತಕದ ಅರ್ಥವನ್ನು, ಪುಸ್ತಕದ
ಪುಸ್ತಕದ ಅರ್ಥವನ್ನು ಪುಸ್ತಕದ ಅರ್ಥವನ್ನು” (ERV-Hindi)

ಪುಸ್ತಕದ ಅರ್ಥವನ್ನು ಪುಸ್ತಕದ ಅರ್ಥವನ್ನು ಪುಸ್ತಕದ ಅರ್ಥವನ್ನು ಪುಸ್ತಕದ ಅರ್ಥವನ್ನು

ಪುಸ್ತಕದ ಅರ್ಥವನ್ನು

Share on:

[illegible]

WhatsApp